2022

1st Semester Examination

HINDI

Paper : HIN - 104

[आधुनिक काव्य - I]

Full Marks : 40 Time : 2 Hours

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×10=20

   (क) 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर मैथिलीशरण गुप्त की नवीन उद्भावनाओं पर विचार कीजिए।

   (ख) 'कामायनी' के रूपक-तत्व पर विचार कीजिए।

   (ग) लम्बी कविता के रूप में निराला की 'सरोज-स्मृति' की महत्ता का निरूपण कीजिए।

   (घ) 'उर्वशी' के तीसरे सर्ग के आधार पर दिनकर की काव्य-भाषा का वैशिष्ट्य प्रतिपादित कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का यथानिर्देश उत्तर लिखिए : 5×4=20

   (क) 'साकेत' के नवम सर्ग के आधार पर उर्मिला की चारित्रिक विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए।

P.T.O.

(ख) "दुखः की पिछली रजनी बीच विकसता सुख का नवल प्रभात;
एक परदा यह झीना नील छिपाये है जिसमें सुख गात।
जिसे तुम समझे हो अभिशाप, जगत की ज्वालाओं का मूल;
ईश का वह रहस्य वरदान कभी मत इसको जाओ भूल।"

— प्रसंग सहित इन पंक्तियों का विश्लेषण कीजिए।

(ग) "अरे वर्ष के हर्ष
बरस तू बरस-बरस रसधार!
पार ले चल तू मुझको
वहाँ दिखा मुझको भी निज
गर्जन-भैरव-संसार।"

— सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(घ) "पंथ होने दो अपरिचित" — कविता में कवयित्री का आशय किस पंथ की ओर है? वे उसे अपरिचित रहने देने के लिए क्यों कहती हैं?

(ङ) "पुरुरवः! पुनरस्त परेहि,
दुरापना वात इवाहमस्मि।"

— उर्वशी में इसका रूप किस तरह अंकित है? इसका भावार्थ लिखिए।

(च) 'नौका-विहार' कविता के काव्य-रूप का विवेचन कीजिए।